

125

न्यायालय माननीय राजस्व मण्डल, मद्रास, तमिलनाडु

पुनरोक्षण क्रमांक

/2007

A 1373-II/07

श्री सुकेश भार्गव, कानि
द्वारा दाय वि. 8-8-07 का प्रस्ताव।

अवर सचिव
राजस्व मण्डल म. प्र. तमिलनाडु



- 1- श्रीमती कुलमा विधवा छोटलाल
 - 2- कु. छाया अमरक पुत्री स्व. छोटलाल द्वारा संरक्षित मां श्रीमती कुलमा विधवा छोटलाल निवासी ग्राम - विजयपुरा तहसील व तालुका दातया मद्रास
- आवेदकगण

विरुद्ध

- 1- चन्द्रप्रकाश पुत्र किशोरी शरण
- 2- भरतसिंह पुत्र अमरसिंह अमरक संरक्षित चन्द्रप्रकाश पुत्र किशोरीशरण निवासी ग्राम कुवारना तहसील माण्डेर तालुका दातया मद्रास
- 3- तमयना विधवा छोटलाल निवासी ग्राम - विजयपुरा, तहसील व तालुका दातया मद्रास
- 4- अतारसिंह पुत्र पंजाबासंधानवासी- ग्राम देवरीमाट तहसील व तालुका दातया मद्रास

----- अनावेदकगण

न्यायालय अवर आयुक्ता, तमिलनाडु सरकार द्वारा प्रकरण क्र. 5/2004-03/अपील में पारित आदेश दिनांक 19-7-07 के विरुद्ध मद्रास राजस्व संहिता, 1959 की धारा 53 के अधीन पुनरोक्षण

-----0-----

माननीय मंडलिय,

आवेदकगण का निम्नानुसार पुनरोक्षण प्रस्तुत है :-

-----2

WB
महेश भार्गव
8-8-07 राउबोफ्ट
कानियर

XXXIX(a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक - निग0 1373-दो/07

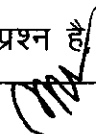
जिला - दो

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
19-12-16	<p>प्रकरण का अवलोकन किया। यह निगरानी अपर आयुक्त, <u>ग्वालियर क्षेत्र</u> के प्रकरण क्रमांक 5/2003-04/अपील में पारित आदेश दिनांक 19-7-07 के विरुद्ध म0प्र0 भू-राजस्व संहिता, 1959 (जिसे आगे संहिता कहा जायेगा) की धारा 50 के तहत पेश की गई है।</p> <p>2/ प्रकरण के तथ्य संक्षेप में इस प्रकार हैं कि ग्राम पंचायत कुसौला द्वारा ग्राम विजनपुरा की नामांतरण पंजी क्रमांक 12 दिनांक 27-10-2002 के द्वारा ग्राम विजनपुरा की भूमि सर्वे नं. किता 8 रकबा 2.76 हैक्टर पर वारिस के आधार आवेदकगण एवं अनावेदक क्रमांक 3 एवं 4 का नामांतरण स्वीकार किया। इस आदेश के विरुद्ध अनावेदक क्रमांक 1 एवं 2 द्वारा अनुविभागीय अधिकारी के समक्ष वसीयत के आधार पर अपील की जो उन्होंने स्वीकार करते हुए प्रकरण विचारण न्यायालय को प्रत्यावर्तित किया गया है। अपर आयुक्त के आदेश के विरुद्ध यह निगरानी इस न्यायालय में पेश की गई है।</p> <p>3/ आवेदक की ओर से विद्वान अधिवक्ता द्वारा निगरानी मेमो में दिए गए तर्कोंको दोहराते हुए कहा गया कि अधीनस्थ न्यायालय ने व्यक्तिगत सूचना के संबंध में जो निष्कर्ष निकाले हैं वे त्रुटि पूर्ण हैं क्योंकि प्रकरण में विधिवत इशतहार का प्रकाशन किया गया जिस पर कोई आपत्ति नहीं आई। अनावेदक क्रमांक 1 एवं 2 को व्यक्तिगत</p>	

Pr

R. 1373 25/07 (सुन्या)

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
	<p>सूचना देने का प्रश्न ही उत्पन्न नहीं होता । विचारण न्यायालय ने विधिवत प्रक्रिया उपरांत वारिसाना नामांतरण स्वीकार किया ।</p> <p>यह भी कहा गया कि अधीनस्थ न्यायालय का यह निष्कर्ष उपधारणाओं पर आधारित है कि प्रथम अपीलीय न्यायालय द्वारा अतिरिक्त साक्ष्य को अमान्य किया गया है । जबकि स्वयं अधीनस्थ न्यायालय ने आवेदकों की साक्ष्य को नजरअंदाज कर आदेश पारित किया गया है । प्रकरण में प्रत्यावर्तन का कोई आधार नहीं होते हुए उन्होंने प्रकरण को प्रत्यावर्तित करने में त्रुटि की गई है जबकि किसी पक्षकार की कमी को पूरा करने के लिए प्रकरण प्रत्यावर्तित नहीं किया जा सकता ।</p> <p>3/ अनावेदक क्रमांक 1 एवं 2 की ओर से विद्वान अधिवक्ता द्वारा अधीनस्थ न्यायालय के आदेश को उचित बताया गया साथ ही व्यवहार वाद क्रमांक 46ए/07 में पारित आदेश दिनांक 28-4-09 के अनुसार प्रकरण का निराकरण किये जाने का निवेदन किया गया है ।</p> <p>4/ उभयपक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं के तर्कों पर विचार किया एवं अनावेदक की ओर से प्रस्तुत व्यवहार न्यायालय के निर्णय का अवलोकन किया । व्यवहार न्यायालय के निर्णय को वरिष्ठ न्यायालय में चुनौती दी गई है और वहां से कोई आदेश पारित किया गया है, इस संबंध में आवेदक अधिवक्ता स्थिति स्पष्ट नहीं कर सके । ऐसी स्थिति में व्यवहार न्यायालय के निर्णय को देखते हुए अधीनस्थ न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है । जहां तक व्यवहार न्यायालय के आदेश के अनुसार प्रकरण का निराकरण किए जाने का प्रश्न है, अनावेदकों को निर्देश दिए जाते</p>	

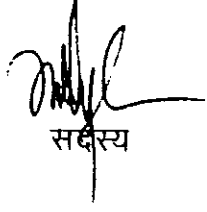



XXXIX(a)BR(H)-11

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

प्रकरण क्रमांक - निग0 1373-दो/07

जिला - दालिया

स्थान तथा दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
B 1/12	<p>हैं कि वे व्यवहार न्यायालय के आदेश की प्रमाणित प्रति तहसील न्यायालय में प्रस्तुत करें और तहसीलदार तदनुसार प्रकरण का निराकरण करें ।</p> <p>यह निगरानी निरस्त की जाती है । उभयपक्ष सूचित हों । अभिलेख वापिस हो ।</p> <p style="text-align: right;"> सदस्य</p>	